>

Title: Need to promote labour-oriented techniques for the overall development of the Country.

श्री सूरज सिंह (बलिया, बिहार) : महोदय, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री श्री अर्जुन सेन गुप्ता कमीशन ने जो तथ्य देश के श्रमिक वर्ग के संबंध में उजागर किये हैं, वे चौंकाने वाले हैं। एक तरफ देश स्वतंत्रता दिवस की 60वीं वर्षगांठ के जश्न में डूबा दिख रहा है, दूसरी ओर सेन गुप्ता की रिपोर्ट में 397 मिलियन असंगठित क्षेत्र के मजदूर मजबूरी और दरिद्रता की खाई में पड़ा दिख रहा है। 10वीं पंचवर्षीय योजना पूरी कर ली गयी, 11वीं पर काम होने जा रहा है। सोचने की जरूरत है कि क्या कारण है आज भी देश का आम आदमी दरिद्रता और निराशा के घेरे से ऊपर नहीं उठा पा रहा है। वास्तव में विकास की दिशा, देश की आवश्यकतानुसार नहीं है। आज एक ओर बेरोजगारों की लम्बी फौज दिखाई दे रही है, दूसरी ओर उद्योगों में श्रमिकों की कमी विकास के मार्ग में खड़ी है। स्पÂष्ट है कि विकास की दिशा भ्रमित है। देश का विकास श्रम प्रधान तकनीकी के उपयोग के आधार पर ही होना चाहिए, यहां पूंजी प्रधान तकनीकी का उपयोग असंतुलित विकास को जन्म देगा और अन्य अनेकों समस्यायें पैदा करेगा।

अतः मेरा आग्रह है कि अभी देश को पूंजी प्रधानता को पीछे रखकर श्रम प्रधान तकनीकी के उपयोग को प्रोत्साहित करने की नीति अपनानी चाहिए और समाज को संर्वांगीण विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।